उपलब्धि

तरक्की की तस्वीर दिखा रहे एक्सप्रेसवे व मेट्रो रेल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी आज देश के मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में जाना और पहचाना जाने लगा है। मुंबई और गुजरात जैसे विकसित राज्यों की श्रेणी में यूपी आ चुका है। एक्सप्रेसवे हो या फिर मेट्रो रेल परियोजनाएं या फिर कहें गुड़गांव या एनसीआर जैसी शहरी सुविधाएं विकसित की गई हैं। गंगचुंबी इमारतें हो या फिर नॉलेज पार्क जहां एक ही स्थान पर डिग्री कोर्स से लेकर प्रोफेशनल कोर्स की सुविधा दी गई।

उत्तर प्रदेश की स्थापना आज से 76 साल पहले 24 जनवरी 1950 को हुई थी। उस समय यूपी की पहचान पिछड़े राज्यों के रूप में होती थी। यहां न तो विकसित शहर थे और न ही रोजगार के बेहतर संसाधन, लेकिन समय बदला, परिस्थितियां बदली और सत्ता की बागडोर ऐसे हाथों में आई, जिसने यूपी की पहचान बदलने का काम किया। यह वही यूपी है, जहां चलने के लिए ठीक से सड़कें तक नहीं थीं, लेकिन आज हर तरफ एक्सप्रेसवे का जाल बिछा हुआ है।

बात अगर एक्सप्रेसवे की करें तो गंगा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे है इतना ही नहीं भागदौड़ वाले शहरी जीवन का सरल बनाने के लिए मेट्रो रेल जैसी सुविधाएं दी गई हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों को शहरों से लेकर गांवों तक मकान की सुविधा दी गई।

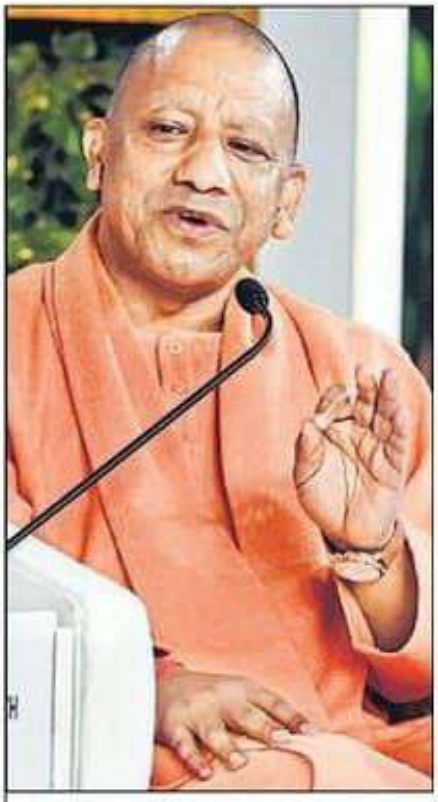

कितने एक्सप्रेसवे

- गंगा एक्सप्रेसवे 954 किमी
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे 341 किमी
- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे
- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे
- चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे 15 किमी
- एक्सप्रेसवे के किनारे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

यूपी में मेट्रो की स्थिति

- लखनऊ, कानपुर, आगरा व नोएडा में मेट्रो चल रही है
- वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, अयोध्या, मथुरा-वृंदावन, मुरादाबाद, अलीगढ़, झांसी और सहारनपुर में चलाने की योजना
- 2000 से अधिक बसें मेट्रो नेटवर्क फीडर के रूप में चलेंगी
- दिल्ली-लखनऊ-प्रयागराज-वाराणसी के बीच बुलेट ट्रेन